समाजशास्त्र विभाग **(स्नातक स्तर)**

Course Out Comes (पाठ्यकम परिणाम **)**

बी**.** ए**.** प्रथम वर्ष **–**

प्रश्न पत्र का नाम **-** समाजशास्त्र का परिचय **(Introduction of Sociology)**

उद्देश्य 1. बी. ए. प्रथम वर्ष में इस विषय को अधिकांश छात्र छात्राए प्रथम बार पढ़ते है अतः समाजशास्त्रीय अवधारणाओं से उन्हें परिचित करना तथा समाज शास्त्र विषय की विष्तृत व विशिष्ट पाठ्य क्रम के लिए नीव तैयार करना ही इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य है।

2. समाजशास्त्र की प्रकृति, विषय क्षेत्र ,विषय वस्तु व महत्व से परिचित करवाना |

3. समाज , समुदाय , समिति, सदस्य , समूह, परिस्थिति जैसी मूल अवधारणाओं से परिचित करवाना |

4 . विवाह, परिवार, नातेदारी व्यवस्था को समझाना |

5. संस्कृति, समाजीकरण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक स्तरीकरण सामाजिक गतिशीलता से परिचय करवाना |

6. सामाजिक प्रक्रिया एवं सामाजिक परिवर्तन लाने वाले कारको को स्पष्ट करना |

बी**.** ए**.** प्रथम वर्ष **-**

द्वितीय प्रश्न पत्र - समकालीन भारतीय समाज (**Contemporary Indian Society)**

उद्देश्य 1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय समाज के बुनियादी सामाजिक संस्थानों से परिचित करवाना|

2. भारतीय समाज के पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याओ से परिचित करवाना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है|

बी. ए. द्वितीय वर्ष –

प्रथम प्रश्न पत्र - जनजातीय समाज का समाजशास्त्र (**Sociology of Tribal Society**)

उद्देश्य 1 . जनजातीय समाज की समस्याओ को समझने व उनका समाधान निकलने के लिए उनकी वास्तविक स्थिति को जानना आवश्यक है अतः जनजातिओ की सामाजिक-आर्थिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक जीवन को जानने में यह पाठ्यक्रम उपयोगी है |

2. जनजीतियो की समस्याओ के समाधान हेतु उनके विकास, नीतिओ एवं कार्यक्रमों को जानना भी आवश्यक है|

बी. ए. द्वितीय वर्ष –

द्वितीय प्रश्न पत्र- अपराध एवं समाज (**crime and society**)

उद्देश्य 1. अपराध एवं समाज पाठ्यक्रम का उद्देश्य समाज एवं उनकी समस्याओ का हल निकलना है यही समाज शास्त्र की उपयोगिता है |

2. अपराध के प्रकार - संगठित अपराध, श्वेतवसन अपराध, आतंकवाद, साइबर अपराध क्या है इससे सम्बंधित जानकारी प्रदान करना |

3. अपराध को रोकने हेतु अपनाए जाने वाले दंड के स्वरूप उद्देश्य सुधारात्मक तरीको की जानकारी प्रदान करना |

4. भारत में पुलिस व न्यायाधीश की भूमिका से परिचित करवाना|

बी. ए. तृतीय वर्ष –

प्रथम प्रश्न पत्र- सामाजिक अनुसन्धान की पद्धतिया (**Methods of Social Research)**

उद्देश्य 1. इस पाठ्यक्रम में विद्याथियो को सामाजिक विज्ञान में मुख्यतः सामाजिक घटनाक्रम का अध्ययन करने हेतु अपनाए जाने वाली वैज्ञानिक पद्धति के बारे में जानकारी दी जाती है|

2. विद्याथियो को समाजिक शोध एवं सर्वेक्षण करने हेतु प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की जाती है |

3. तथ्यों का वर्गीकरण विश्लेषण करना एवं सांख्यिकीय का उपयोग जानना, शोध कार्य हेतु विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है|

बी. ए. तृतीय वर्ष –

द्वितीय प्रश्न पत्र- **सामाजिक विचारों के आधार (Foundation of Sociological Thought)**

उद्देश्य 1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य समाजशास्त्रीय सिद्धांत और विचार के लिए एक सामान्य परिचय तैयार करना है |

2. समाजशास्त्रीय विचारको सिद्धांत व उनके योगदान से परिचित करवाना |

3. भारतीय समाज के बारे में जानने एवं भारतीय समाजशास्त्र के विकास में भारतीय समाज शास्त्रीय के योगदान से परिचित करवाना|

M.A. I Sem. Sociology

Paper I – शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराए (**Classical Sociological Traditions)**

उद्देश्य 1. विभिन्न विद्वानों के विचार उनके सिद्धांत , समाजशास्त्र विषय में उनके योगदान जो तात्कालिक सामाजिक परिस्थितियों पर आधारित थी उनसे विद्यार्थीओ को परिचित करना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

2. समाजशास्त्र विषय को विकसित करने में जिन संस्थापक विद्वानों का योगदान था उसे जानना समाजशास्त्र विषय के शैक्षणिक अनुशासन के लिए आवश्यक है |

3. समाजशास्त्र विषय लेकर प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को समाज शास्त्रीय विचारको के सिद्धांत को जानना उपयोगी है |

M.A. I Sem. Sociology

Paper II – अनुसन्धान पद्धति का दार्शनिक एवं अवधारणात्मक आधार

(**Philosophical and Conceptual foudation of Research Methodology)**

उद्देश्य 1. सामाजिक प्रक्रियाओं व समस्याओ का अध्ययन करने हेतु समाजशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अनुसन्धान की पद्धतियों, प्रविधियों एवं क्रिया विधियों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है |

2. इस पाठ्यक्रम में गुणात्मक अनुसन्धान पद्धति के अंतर्गत - अवलोकन, साक्षात्कार, निर्देशिका, एकल अध्ययन पद्धति द्वारा क्षेत्र कार्य की प्रक्रिया से परिचित करवाया जाता है |

3. अंतर विषय अनुसन्धान एवं तथ्यों की प्रक्रिया के अंतर्गत वर्गीकरण व विश्लेषण किया जाना बताया जाता है|

M.A. I Sem. Sociology

Paper III – भारत में सामाजिक परिवर्तन **(Social Change in India)**

उद्देश्य 1. इस पाठ्यक्रम में सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न स्वरूपों एवं सिद्धांतों की जानकारी प्रदान की जाती है |

2. सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न कारक तथा ग्रामीण व जनजाति भारत की अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन किस कारण होता है इससे परिचित करवाया जाता है ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्रो में भूमि अलगाव के कारण को भी स्पष्ट किया जाता है |

3. भारतीय समाज में परिवर्तन की प्रक्रिया के तहत् - सस्कृतिकरण, धर्म निर्पेक्षता एवं वैश्वीकरण के प्रभाव की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है |

4. नगरीय व औद्योगिक भारत में होने वाले परिवर्तनो से भी विद्यार्थियों को अवगत करवाया जाता है|

M.A. I Sem. Sociology

Paper IV – ग्रामीण समाजशास्त्र **(Rural Sociology)**

उद्देश्य 1. भारतीय समाज को समझने के लिए भारत की ग्रामीण संरचना, संस्कृति को समझने में ग्रामीण समाजशास्त्र बहुत ही उपयोगी प्रश्न पत्र है |

2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण समाज के सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक पहलुओं को समझने व उनका विश्लेषण करने में ग्रामीण समाजशास्त्र उपयोगी है |

3. ग्रामीण विकास हेतु किये जा रहे नियोजित परिवर्तनो को जानने एवं वर्तमान में चल रही कल्याण करी कार्यो को जानने में यह सहयोगी है|

M.A. I Sem. Sociology

Paper V – प्रायोगिक कार्य -I **(Practical – I)**

उद्देश्य 1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से गुणात्मक अनुसंधान के अंतर्गत विद्यार्थी साक्षात्कार निर्देशिका एवं एकल अध्ययन द्वारा तथ्यों का संकलन कैसे किया जाता है उससे परिचित होता है |

2. तथ्यों का प्रस्तुतीकरण किस तरह से किया जाता है उसे सीख जाता है |

3. viva voice के माध्यम से भविष्य के लिए साक्षात्कार हेतु भी तैयार होता है|

M.A. II Sem. Sociology

Paper VI – शास्त्रीय समाजशास्त्रीय विचारक **(Classical Sociological Thinker)**

उद्देश्य - 1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य समाजशास्त्र के प्रमुख विचारको व उनके सिद्धांतो से विद्यार्थियों को परिचित करवाना है |

2. इस पाठ्यक्रम में प्रमुख विचारक - कार्ल मार्क्स, थर्सटीन वेबलीन, मैक्स वेबर, टॉलकट पारसन्स, राबर्ट के मर्टन के सिद्धांतो से विद्यार्थी परिचित होते है|

M.A. II Sem. Sociology

Paper VII – समाजशास्त्र में गणनात्मक शोध प्रविधि

(Quantitative Research Techniques in Sociology)

उद्देश्य 1. इसमें विद्यार्थियों को सामाजिक अनुसंधान हेतु निदर्शन के चयन की प्रक्रिया की जानकारी दी जाती है |

2. इस प्रश्न पत्र में गणनात्मक शोध पध्दति के अंतर्गत – प्रश्नावली, अनुसूची का निर्माण करना सिखाया जाता है |

3. सामाजिक अनुसंधान में मापक पैमाना सांख्यिकी का प्रयोग एवं कम्प्यूटर का उपयोग अनुसंधान में किस तरह किया जाता है बताया जाता है |

4. अनुसंधान कर्ता के लिए अनुसंधान में नैतिक मूल्य की आवश्यकता से भी परिचित कराया जाता है|

M.A. II Sem Sociology

Paper VIII – विकास का समाजशास्त्र (Sociology of Development)

उद्देश्य 1. विकास का समाजशास्त्र में विभिन्न सामाजिक संरचना, विकास के सामाजिक कारको का अध्ययन किया जाता है |

2. विकास के समाजशास्त्र के अंतर्गत किसी भी समाज में नियोजित परिवर्तन लाने वाले कारको तथा उस समाज को प्रगति पथ पर ले जाने वाली प्रक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है जिससे विद्यार्थी वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों से परिचित हो सके |

3. वर्तमान भारतीय समाज में विकास की प्रक्रिया के क्या परिणाम परिलक्षित हो रहे है तथा भारतीय समाज में विकास से जुड़े मुद्दों से विद्यार्थियों को परिचित करवाया जाता है|

M.A. II Sem. Sociology

Paper IX – भारतीय ग्रामीण समाज (Indian Rural Society)

उद्देश्य 1. भारतीय ग्रामीण समाज विद्यार्थियों को ग्रामीण जनजीवन एवं जनजातीय समाज व खेतिहर समाज से परिचित होने में मददगार है|

2. ग्रामीण समुदाय की समस्याए – पलायन, भूमि अलगाव, स्वास्थ्य, शिक्षा , कृषक आंदोलन तथा समकालीन भारत में नक्सली आंदोलन से परिचित होता है ताकि वर्तमान भारतीय ग्रामीण व्यवस्था को बेहतर तरीके से जान सके|

M.A. II Sem. Practical

Paper X – Practical - II

उद्देश्य 1. समाज शास्त्र के द्वितीय सेमेस्टर में द्वितीय प्रायोगिक कार्य में विद्यार्थीओ द्वारा प्रश्नावली व साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया जाता है |

2. अनुसंधान उपकरण का निर्माण करने उपरांत उसके माध्यम से तथ्यों का संकलन करना भी सीखता है |

3. अनुसंधान की सभी प्रक्रिया लगभग वह इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीख जाता है|

M.A. III Sem. Sociology

Paper XI – Classical Sociological Theories

शास्त्रीय ,समाजशास्त्रीय सिद्धांत

उद्देश्य 1. इस प्रश्न पत्र में समाज शास्त्रीय विचारको के सिद्धांत के अंतर्गत - प्रत्यक्षवाद, प्रकार्यवाद, संघर्ष सिद्धांत, संरचनावाद तथा विनिमय सिद्धांतो को स्पष्ट किया जाता है |

2. इसके माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक परिस्थितिओ व प्रक्रियाओं से परिचित होता है |

M.A. III Sem. Sociology

Paper XII – भारत में सामाजिक आंदोलन

(Social Movements in India)

उद्देश्य 1. विद्यार्थीओ को भारत में हुए विभिन्न आंदोलनों के इतिहास उसके प्रकार तथा आंदोलन के कारणों व परिणामो के संबंध में बताया जाता है |

2. छात्र - छात्राए भारत में अब तक हुए आंदोलनों से परिचित होता है |

3. भारतीय समाज में जन आंदोलनों के फलरूप किस प्रकार का बदलाव आया तथा कौन से कानून पारित किये गए उससे भी परिचित होता है|

M.A. III Sem. Sociology

Paper XIII – भारतीय के अध्ययन के लिए परिप्रेक्षय

(Perspectives of study to Indian Society)

उद्देश्य 1. इस प्रश्न पत्र में भारतीय समाज को वैज्ञानिक एवं मानवीय आधार पर समझा जाता है |

2. भारतीय समाज के संबंध में भारतीय व विदेशी समाजशास्त्रियों द्वारा विकसित परिप्रेक्षय का विश्लेषण से विद्यार्थियों को परिचित करवाया जाता है |

3. इस पाठ्यक्रम का यह भी उद्देश्य है कि विभिन्न सामाजिक चिंतको के परिप्रेक्षय को जाना जाए जो भारतीय समाज की यथार्थता को जानने के लिए आवश्यक है |

M.A. III Sem. Sociology

Paper XIV – भारतीय समाज और उद्योग

(Industry and Society in India)

उद्देश्य 1. औद्योगिक समाज शास्त्र इस विषय को स्पष्ट करता है कि औद्योगीकरण की प्रक्रिया में एक नए समाज व एक नए युग का विकास किस प्रकार हुआ है अतः विद्यार्थी औद्योगीकरण के उपरांत प्रभावित समाज से परिचित होता है |

2. स्वतंत्रता के पूर्व स्वतंत्रता के बाद व वर्तमान में औद्योगिक भारतीय समाज से विद्यार्थी को अवगत करवाया जाता है |

3. औपचारिक व अनौपचारिक संगठन के संबंध में भी जानकारी दी जाती है |

M.A. III Sem. Sociology

Paper XV – अपराधशास्त्र (Criminology)

उद्देश्य 1. अपराधशास्त्र के इस प्रश्न पत्र में अपराध के कारण व सिद्धांत के संबंध में विद्यार्थी परिचित होता है |

2. अपराध के प्रकार एवं वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराध की जानकारी दी जाती है|

3. दण्ड के सिद्धांत के अंतर्गत सुधारात्मक सिद्धांतो के संबंध में जानकारी प्राप्त करता है|

M.A. IV Sem. Sociology

Paper XVI – आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत

(Modern Sociological Theories)

उद्देश्य 1. समाजशास्त्रीय सिद्धांतो में समाज, सामाजिक जीवन व व्यवहार और सामाजिक घटनाओ से सम्बंधित तथ्यों की बौद्धिकता के आधार पर यथार्थ ज्ञान से परिचय प्राप्त होता है|

2. आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता और इनसे सम्बंधित अन्य अवधारणाएं जैसे - प्रतीकात्मक अन्तर क्रियावाद, प्रघटना शास्त्र, लोक विधि अध्ययन पध्दति आदि की शिक्षा दी जाती है ताकि विद्यार्थी आधुनिक समाजशास्त्रियों के विचारो को जमीनी स्तर पर समझ सके|

M.A. IV Sem. Sociology

Paper XVII – तुलनात्मक समाजशास्त्र (comparative sociology)

उद्देश्य 1. तुलनात्मक समाजशास्त्र में भारतीय एवं पश्चिमी समाजो व सामाजिक प्रक्रियाओं की तुलना से विद्यार्थीओ को अवगत करवाया जाताहै |

2. इस प्रश्न पत्र में पश्चिमी समाजशास्त्र के उद्भव विकास एवं पश्चिमी समाजशास्त्र का अन्य देशो में खास कर भारतीय समाज व समाजशास्त्र में किस प्रकार प्रभाव पड़ा इसकी जानकारी विद्यार्थीओ को दी जाती है |

3. वर्तमान में भारतीय समाज व समाजशास्त्र किस रूप में है व भविष्य में वह कैसा होगा इसकी जानकारी भी प्रदान की जाती है|

M.A. IV Sem. Sociology

Paper XVIII – उद्योग में समकालीन मुद्दे (Contemporary Issues in Industry)

उद्देश्य 1. इस प्रश्न पत्र में उद्योग व समाज से सम्बंधित समकालीन मुद्दों की जानकारी दी जाती है |

2. औद्योगिक परिस्थितियों का सामाजिक सन्दर्भ में अध्ययन किया जाता है |

3. औद्योगिक सम्बन्ध, श्रम, श्रमिक, श्रमिक संगठन क्या है इसकी जानकारी विद्यार्थीओ को प्रदान की जाती है |

4. औद्योगीकरण से उत्पन्न कुछ मुद्दे - जैसे - महिला श्रमिक, बाल श्रमिक, पर्यावरण आदि पर निर्मित प्रावधानों से भी विद्यार्थीओ को परिचित करवाया जाता है|

M.A. IV Sem. Sociology

Paper XIX – अपराध शास्त्र : स्वरूप और प्रशासन

(Criminology: Correctional and Administration)

उद्देश्य 1. अपराध शास्त्र के इस प्रश्न पत्र में अपराध को रोकने के कौन कौन से तरीके है तथा सुधारात्मक स्वरूपों की जानकारी छात्रों को दी जाती है |

2. सुधार प्रशासन की समस्या क्या है तथा कैदियों, महिला अपराधियों की भी समस्याए क्या है इसे विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जानते है |

M.A. IV Sem. Sociology

Paper XX – (Project Report)

उद्देश्य 1. प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया में विद्यार्थी सभी अनुसंधान के चरणों को सीख जाता है |

2. क्षेत्रीय अनुसंधान कार्य के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओ से भी परिचित होता है |

3. भविष्य में शोध कार्य करने के इच्छुक विद्यार्थीओ के लिए यह अनुसंधान के प्रथम चरण में बहुत ही उपयोगी है|

Department of Sociology - समाजशास्त्र विभाग

Program Outcomes - कार्यक्रम के परिणाम

समाज शास्त्र मानव समाज के सामाजिक व्यवहार के सभी पहलुओं को समझने में सहयोग देता है| मानव समूहों, समुदायों, संस्थानों तथा सम्पूर्ण समाज को भी समाज शास्त्र विषय के माध्यम से समझा जा सकता है| समाजशस्त्रीय सिद्धांतो को प्रबुद्ध वर्ग के विचारो की समझ से सामाजिक नीति निर्माण में सहायता मिल सकती है| मानव के वास्तविक जीवन को समझने के लिए समाजशास्त्रीय अवधारणाओं का ज्ञान होना भी आवश्यक है|

प्रत्येक समाज की संस्कृति व नैतिक मूल्यों का ज्ञान सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वाहन में भी सहयोगी साबित होता है|

क्षेत्रीय अध्ययन से सामाजिक शोध के विभिन्न चरणों का ज्ञान भविष्य में शोध कार्य करने में भी उपयोगी होगा|

समाजशास्त्र विषय एक बौद्धिकता प्रदान करता है जिससे सामाजिक सेवाओं सार्वजानिक नीति निर्माण एवं प्रशासनिक क्षेत्र में अधिकारी के पद पर पहुंच सकता है|

समाजशास्त्रीयों का महत्व सामाजिक अभियंता के रूप में लगातार बढ़ता जा रहा है| समाज कार्य, सामाजिक सेवा, सामुदायिक योजना, ग्रामीण व नगरीय नियोजन आदि के कार्यो में समाजशास्त्र के विद्यार्थी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है|

श्रम कल्याण अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, महिला बाल विकास, प्रोबेशन और पैरोल अधिकारी, जनजाति कल्याण अधिकारी, अनुसन्धान अधिकारी जैसे - पदों पर समाजशास्त्रियों को प्राथमिकता दी जाती है| पी. एस. सी. और यू.पी. एस.सी. की परीक्षाओ में विद्यार्थीओ द्वारा समाज शास्त्र विषय का चयन बहुतायत से किया जाता है| इस तरह समाजशास्त्र विषय का महत्व दिनों दिन बढ़ता चला जा रहा है|